# नए नियम में राज्य और वाचा

## अध्ययन निर्देशिका

अध्याय तीन

# नई वाचा

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

# विषय-सूची

**इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका** ..... **3**

नोट्स ..... **4**

I. परिचय **(0:20)** ..... **4**

II. राज्य का प्रशासन **(1:32)** ..... **4**

A. वाचा के प्रतिनिधि (6:16) ..... 5

1. पुराना नियम (7:16) ..... 5

2. नई वाचा (9:00) ..... 6

B. उपयुक्त नीतियाँ (10:56) ..... 6

1. पुराना नियम (11:52) ..... 7

2. नई वाचा (13:39) ..... 8

C. जैविक विकास (20:32) ..... 10

1. पुराना नियम (21:27) ..... 10

2. नई वाचा (23:14) ..... 10

III. पारस्परिक व्यवहार की गतिशीलता **(29:55)** ..... **11**

A. दिव्य परोपकारिता (32:09) ..... 12

1. पुराना नियम (33:30) ..... 12

2. नई वाचा (37:15) ..... 13

B. निष्ठा की जाँचें (43:11) ..... 14

1. पुराना नियम (46:35) ..... 14

2. नई वाचा (49:16) ..... 14

C. परिणाम (58:21) ..... 16

1. पुराना नियम (58:54) ..... 16

2. नई वाचा (1:01:36) ..... 17

IV. सारांश **(1:08:51)** ..... **18**

पुनर्समीक्षा के प्रश्न ..... **19**

उपयोग के प्रश्न ..... **22**


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

---

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अन्तराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अन्तराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2013 by Third Millennium Ministries
www.thirdmill.org

# नोट्स

## I. परिचय (0:20)

## II. राज्य का प्रशासन (1:32)

दोनों *"बिरीथ"* (इब्रानी) और *"डियाथिखे"* (यूनानी) का अर्थ "वाचा" या "एक गंभीर समझौता या संधि" है।

बाइबल में हम में वाचाओं को बनते हुए देखते हैं :

- साथियों के मध्य
- राजाओं और उनके नागरिकों के मध्य
- राजाओं और अन्य राजाओं के मध्य
- परमेश्वर और राष्ट्रों एवं लोगों के मध्य

कई विद्वानों ने बाइबल आधारित वाचाओं को प्राचीन निकट पूर्व दस्तावेजों के समूह के साथ तुलना करनी आरम्भ कर दी थी जिसे हम अक्सर "अधिपति-जागीरदार सन्धियाँ" के नाम से पुकारते हैं।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इन सन्धियों में, अधिपति, या प्रसिद्ध राजा, उनके जागीरदारों के साथ, या छोटे राजाओं को अपनी अधीनता में रखते हुए अपने राज्यों के प्रशासन का प्रबन्ध किया करते थे।

## A. वाचा के प्रतिनिधि (6:16)

परमेश्वर अपने राज्य के प्रशासन को उन मनुष्यों से वाचाओं को बाँधने के द्वारा करता था जिन्हें उसने वाचा के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना था।

### 1. पुराना नियम (7:16)

पुराने नियम के समय में वाचा के प्रतिनिधि :

- आदम (उत्पत्ति 1-3; होशे 6:7)
- नूह (उत्पत्ति 6:18, 9:9-17)
- अब्राहम (उत्पत्ति 15 और 17)
- मूसा (निर्गमन 19-24)
- दाऊद (भजन संहिता 89 और 132)

आदम और नूह के साथ बाँधी गई वाचाओं को "विश्वव्यापी वाचायें" कह कर पुकारा जा सकता है क्योंकि आदम और नूह सभी मानव प्राणियों को परमेश्वर की वाचा के लोगों के रूप में प्रस्तुत करते हैं।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

अब्राहम, मूसा और दाऊद के साथ बाँधी गई वाचाओं को "राष्ट्रीय वाचायें" कह कर पुकारा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने इस्राएल और इस्राएल में अपनाए गए अन्यजातियों को प्रस्तुत किया।

### 2. नई वाचा (9:00)

मसीह नई वाचा का प्रतिनिधि है। (इब्रानियों 9:15; रोमियों 8:34; 1 तीमुथियुस 2:5-6).

नए नियम का धर्मविज्ञान बड़ी निकटता के साथ मसीह के व्यक्तित्व और कार्य के साथ बँधा हुआ है ("ख्रीष्टकेन्द्रित")।

## B. उपयुक्त नीतियाँ (10:56)

परमेश्वर की वाचाओं की नीतियाँ उन विशेष विषयों को सम्बोधित करने के लिए रची गई थीं जो बाइबल के इतिहास के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण थे।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 1. पुराना नियम (11:52)

परमेश्वर के राज्य में विशेष चरणों में प्रासंगिक नीतियाँ :

- आधारों की वाचा :
  - परमेश्वर की आदम के साथ वाचा
  - परमेश्वर के राज्य के लक्ष्यों के ऊपर जोर
  - पाप के संसार में आने से पहले और बाद के मानव प्राणियों की भूमिका के ऊपर जोर

- स्थिरता की वाचा :
  - परमेश्वर की नूह के साथ वाचा
  - एक सुरक्षित वातावरण के रूप में प्रकृति की स्थिरता के ऊपर ध्यान जहाँ पापपूर्ण मानवजाति परमेश्वर के राज्य के प्रयोजनों को पूरा कर सके

- इस्राएल के चुनाव की वाचा की वाचा :
  - परमेश्वर की अब्राहम के साथ वाचा
  - इस्राएल को परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में उसके विशेषाधिकारों और जिम्मेदारियों के ऊपर ध्यान

- व्यवस्था की वाचा :
  - परमेश्वर की मूसा के साथ वाचा
  - परमेश्वर की व्यवस्था के ऊपर ध्यान जब उसने इस्राएल के गोत्रों को एक राष्ट्र के रूप में एकीकृत किया

- राजवंशीय वाचा :
  - परमेश्वर की दाऊद के साथ वाचा
  - इस्राएल को एक प्रामाणिक राज्य के रूप में स्थापित किया
  - इस पर जोर दिया कि कैसे दाऊद का राजकीय राजवंश इस्राएल की राज्य की सेवकाई में अगुवाई करेगा


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 2. नई वाचा (13:39)

परिपूर्णता की वाचा :

- बाइबल के इतिहास में अन्तिम अवधि में आता है

- ऐसी नीतियों को जो अतीत की विफलताओं को पलटने और मसीह में परमेश्वर के राज्य के प्रयोजनों को पूरा करने के लिए निर्मित की गई थी, को स्थापित किया (यिर्मयाह 31:31)

परमेश्वर ने नई वाचा की नीतियों को उजागर किया (यिर्मयाह 31:33-34).

परमेश्वर ने निरन्तर इस्राएल के राष्ट्र को उसकी वाचा के साथ बाहरी तौर पर सम्बद्ध होने से परे आगे की ओर बढ़ने और उनके हृदयों को खतना करने के लिए बुलाहट दी (व्यवस्थाविवरण 10:16; यिर्मयाह 4:4).


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

यीशु ने शिक्षा दी कि नई वाचा का युग तीन अवस्थाओं में समय के साथ खुलता चला जाएगा :

- उदघाटन — यीशु के पहले आगमन में उसने नई वाचा की बहुत सी अपेक्षाओं को पूर्ण किया परन्तु सारी नहीं।

- निरन्तरता — मसीह के पहले और दूसरे आगमन के बीच की अवधि जहाँ यीशु अपनी कलीसिया के माध्यम से नई वाचा की और अधिक अपेक्षाओं को पूरा करता है।

- शिरो-बिन्दु — मसीह के दूसरे आगमन पर नई वाचा की प्रत्येक अपेक्षा पूरी कर दी जाएगी।

नए नियम का धर्मविज्ञान नई वाचा की नीतियों की व्याख्या करने के लिए समर्पित था जैसे यह इन तीनों अवस्थाओं में खुलता जाता है।

नए नियम के लेखकों को नई वाचा में जीवन की अपेक्षाओं का समायोजन करना पड़ा। (मत्ती 6:12; 1 यूहन्ना 1:9; 2 कुरिन्थियों 11:13; गलातियों 2:4).


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## C. जैविक विकास (20:32)

पुराने नियम की प्रत्येक वाचा में वाचा के भिन्न प्रतिनिधि और नीतियाँ रही हैं परन्तु उनमें जैविक एकता इन परिवर्तनों के बाद भी बनी रही।

### 1. पुराना नियम (21:27)

वाचाओं की नीतियाँ आदम से लेकर दाऊद तक पुराने नियम के पूरे इतिहास में निरन्तर कार्यरत् थीं।

### 2. नई वाचा (23:14)

वाचाओं का जैविक विकास जो पुराने नियम में आरम्भ हुआ वह मसीह में नई वाचा में निरन्तर चलता रहा।

नई वाचा अब्राहम के वंशजों और उसके परिवार में अपनाई गई अन्यजातियों के साथ नवीकृत की हुई राष्ट्रीय वाचा है।.


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

नई वाचा ने उन नीतियों को नवीकृत, पुर्ननिर्मित, जीर्णोद्धारित या निर्मित किया जिन्हें परमेश्वर ने पहले की वाचाओं में स्थापित किया था।

नए नियम का धर्मविज्ञान पुराने नियम के धर्मविज्ञान को अपने में सम्मिलित करता है और इसके ऊपर ही निर्मित होता है।

## III. पारस्परिक व्यवहार की गतिशीलता (29:55)

परमेश्वर ने यह निर्धारित किया कि कैसे उसकी वाचाओं की गतिशीलता फलदाई होगी।

परमेश्वर का उसके लोगों के साथ पारस्परिक व्यवहार अक्सर मानवीय समझ से परे की बात है, परन्तु उसके तरीके  सदैव अच्छे और बुद्धिमानी से भरे होते हैं। (व्यवस्थाविवरण 29:29, यशायाह 55:8-9, अय्यूब, सभोपदेशक)


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## A. दिव्य परोपकारिता (32:09)

### 1. पुराना नियम (33:30)

परमेश्वर की परोपकारिता ने ही उसकी वाचाओं के सम्बन्धों को आरम्भ किया और संभाला है।

परमेश्वर ने हर वाचाई प्रतिनिधि के प्रति और जिन लोगों का उन्होंने प्रतिनिधित्व किया के प्रति दया दिखाई :

- आरंभ की वाचा में आदम
- स्थिरता की वाचा में नूह
- इस्राएल के चुनाव की वाचा में अब्राहम
- मूसा को व्यवस्था में वाचा
- राजपद की वाचा में दाऊद


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 2. नई वाचा (37:15)

नया नियम परमेश्वर की परोपकारिता को मसीह के प्रति दर्शाता है (मत्ती 3:16-17, 12:18, 28:18; लूका 3:22; प्रेरितों के काम 2:31-33; रोमियों 8:11)

नया नियम "मसीह के साथ एकता" पर ध्यान देता है।

विश्वासियों की मसीह के साथ एकता द्वि-स्तरीय है :

- "मसीह में" : नई वाचा के लोग परमेश्वर के स्वर्गीय दरबार में मसीह के साथ पहचाने जाते हैं (इफिसियों 1:13)

- "मसीह हम में" : मसीह पवित्र आत्मा के माध्यम से विश्वासियों में कार्यरत् और विद्यमान है (रोमियों 8:10-11).

नया नियम यह शिक्षा देता है कि, मसीह के आगमन से पहले, परमेश्वर कलीसिया में सब लोगों पर अपने सामान्य अनुग्रह को प्रकट करता है।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## B. निष्ठा की जाँचें (43:11)

परमेश्वर ने बाइबल की *प्रत्येक* वाचा में उसके लोगों की निष्ठा की जाँच की, जिसमें नई वाचा भी सम्मिलित है।

### 1. पुराना नियम (46:35)

परमेश्वर ने वाचाई प्रतिनिधियों की अपनी जांच में अपने वाचाई लोगों की निष्ठां की जांच की (उत्पत्ति 22:12; व्यवस्थाविवरण 8:2)

- आदम
- नूह
- अब्राहम
- मूसा
- दाऊद

### 2. नई वाचा (49:16)

नई वाचा के प्रतिनिधि के रूप में, यीशु ने निष्ठा की प्रत्येक जाँच को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया जिसकी उससे परमेश्वर ने मांग की थी। (इब्रानियों 4:15; फिलिप्पियों 2:8)


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

यीशु ने उन सभों के लिए स्थाई प्रायश्चित और अनन्तकालीन क्षमा का प्रबन्ध किया है जो उसके ऊपर विश्वास करते हैं। (मत्ती 8:17; प्रेरितों के काम 8:32-33; रोमियों 6:10; 1 पतरस 2:22-25)

निष्ठा की जाँच अभी भी कलीसिया के लिए कार्यरत् हैं, जो कि नई वाचा के लोग हैं।

- "मसीह में" : सच्चे विश्वासियों का न्याय जाँच में उत्तीर्ण हुए लोगों की नाईं होता है क्योंकि मसीह ने हमारे बदले में जाँच को उत्तीर्ण कर लिया है। (1 तीमुथियुस 3:16; रोमियों 4:23-25)

- "मसीह हम में" : मसीह का आत्मा सच्चे विश्वासियों में उन्हें पवित्र बनाने में कार्यरत् है।

परमेश्वर हमें पवित्रीकरण में आगे बढ़ाने के लिए हमें जांचता है (याकूब 1:2-3)

कलीसिया झूठे विश्वासियों और सच्चे विश्वासियों से मिलकर बनी हुई है और परमेश्वर द्वारा निष्ठा की जाँच प्रकट करती है कि उनके पास बचाने वाला विश्वास है या नहीं (1 यूहन्ना 2:19)


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## C. परिणाम (58:21)

### 1. पुराना नियम (58:54)

परमेश्वर ने पुराने नियम की वाचाओं में आशीषें भी दीं और श्राप भी दिए :

- नींव :
  - परमेश्वर ने आदम को उसकी अनाज्ञाकारिता के कारण दु:ख और मृत्यु के साथ श्रापित ठहराया।
  - परमेश्वर ने सर्प पर विजयी होने की प्रतिज्ञा दी।

- स्थिरता :
  - नूह ने अपनी विश्वासयोग्य सेवकाई के लिए आशीषों को प्राप्त किया।
  - नूह बाढ़ के बाद श्रापों का भी सामना किया।

- इस्राएल का चुनाव :

  अब्राहम ने परमेश्वर की वाचा के प्रतिनिधि के रूप में आशीषों और श्रापों के परिणामों को प्राप्त किया।

- व्यवस्था :

  मूसा की व्यवस्था ने कई विशिष्ट आशीषों और श्रापों को लिख दिया जो परमेश्वर के वाचाई लोगों पर आएंगे।

- राजपद :

  दाऊद ने आशीषों और श्रापों के परिणामों को विश्वासयोग्यता और अविश्वासयोग्यता के आधार पर प्राप्त किया।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## 2. नई वाचा (1:01:36)

मसीह ने, नई वाचा का प्रतिनिधि होने के नाते, दोनों अर्थात् परमेश्वर के श्रापों और परमेश्वर की आशीषों का अनुभव किया। (गलातियों 3:13)

यीशु परमेश्वर के श्राप के अधीन उसकी स्वयं की व्यक्तिगत् असफलताओं के कारण नहीं आया था। (यशायाह 53:1-12; फिलिप्पियों 2:8-9)

यीशु का पुनरूत्थान और स्वर्गारोहण परमेश्वर के प्रति उसकी सिद्ध आज्ञाकारिता के उचित ईनाम थे।

नई वाचा के परिणाम कलीसिया, अर्थात् नई वाचा के लोगों को भी प्रभावित करते हैं :

- "मसीह में" : परमेश्वर की हरेक अनंत आशीष पहले ही मसीह में सच्चे विश्वासियों के लिए निर्धारित है। (इफिसियों 1:3).

- “मसीह हम में” : यीशु सच्चे विश्वासियों में कार्यरत् है ताकि वे अपने प्रतिदिन के जीवन में आज्ञाकारिता और अनाज्ञाकारिता के परिणामों का अनुभव करें।.


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

झूठे विश्वासी जिन कठिनाइयों और श्रापों को वे इस जीवन में सहन करते हैं वह अनन्तकालीन श्रापों का पूर्वस्वादन् है जिन्हें वे उस समय प्राप्त करेंगे जब मसीह का पुनः आगमन होगा। (लूका 12:45-46; रोमियों 2:4-5).

वे आशीषें जिन्हें सच्चे विश्वासी इस जीवन में प्राप्त करेंगे वह अनन्तकालीन आशीषों का पूर्वस्वादन् है जो कि राज्य के शिरो-बिन्दु के समय आएगीं। (इब्रानियों 12:1-11; प्रकाशितवाक्य 21:6-8).

जब मसीह का पुनः आगमन होगा तो सच्चे विश्वासी महिमामयी नई सृष्टि में अपने अनन्तकालीन उत्तराधिकार को प्राप्त करेंगे।

## IV. सारांश (1:08:51)


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. परमेश्वर वाचा के प्रतिनिधियों के द्वारा वाचा बांधकर अपने राज्य का प्रशासन करता है। पुराने और नए नियम की वाचाओं के नाम बताइए और उन्हें स्पष्ट कीजिए।

2. बाइबल के इतिहास की भिन्न-भिन्न अवधियों के लिए बाइबल की वाचाओं द्वारा स्थापित नीतियाँ कौनसी हैं?


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. नीतियाँ किस प्रकार से जैविक रूप से पुराने और नए नियम की वाचाओं के दौरान विकसित हुईं?

4. पुराने और नए नियम की वाचाओं में स्पष्ट कीजिए कि परमेश्वर ने किस प्रकार प्रत्येक वाचाई प्रतिनिधि के प्रति दयालुता प्रकट की।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. परमेश्वर ने अपने वाचाई लोगों और वाचाई प्रतिनिधियों की निष्ठा को क्यों परखा?

6. परमेश्वर ने अपनी वाचाओं में आशीषें और श्राप दोनों दिए। स्पष्ट कीजिए कि बाइबल की प्रत्येक वाचा के क्या परिणाम थे।


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

## उपयोग के प्रश्न

1. मसीह कलीसिया का नया वाचाई प्रतिनिधि है। यह वाचाई प्रबंधन किस प्रकार आपको नए नियम के धर्मविज्ञान को बेहतर रीति से समझने में सहायता करता है?

2. मसीह में परमेश्वर के राज्य के उद्देश्यों में आप किस प्रकार अपनी असफलताओं से व्यवहार करते हैं?

3. किस प्रकार आपकी व्यक्तिगत असफलताओं ने मसीह के कार्य के प्रति आपकी सराहनाओं को गहरा किया है?

4. अपनी वर्तमान परिस्थितियों में आप किस प्रकार गहराई से परमेश्वर से प्रेम कर रहे हैं?

5. परमेश्वर ने हस्तक्षेप करने और हमारे हृदयों पर अपनी व्यवस्था को लिखने की प्रतिज्ञा की है। किन विशेष रूपों में आपने इस प्रतिज्ञा को अपने जीवन में अनुभव किया है?

6. आप किस प्रकार मसीह के प्रति उत्साह को फैला सकते हैं ताकि दूसरे लोग भी उसकी वाचा में सम्मिलित होना चाहें?

7. परमेश्वर अपने लोगों की निष्ठा को जांचता है। किस प्रकार क्षणिक कठिनाइयों और परमेश्वर के अनुशासन ने आप पर पवित्र करने वाले प्रभाव को छोड़ा है?

8. किन विशेष रूपों में आप बड़ी उत्सुकता और आनंद के साथ अपनी वर्तमान परिस्थितियों में परमेश्वर के प्रति अपनी वाचाई जिम्मेदारियों को पूरा कर सकते हैं?

9. सच्चे विश्वासियों के रूप में हम नई सृष्टि में हमारे अनंत उत्तराधिकार को प्राप्त करेंगे। आप किस प्रकार इस प्रतिज्ञा का प्रयोग अपने को और दूसरों को धैर्य के साथ आगे बढ़ने में उत्साहित करने के लिए कर सकते हैं?

10. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है?


© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org